

## चुनमुन



शेखचिल्ली

● बाल कविताएं...

● जानकारी...

आओ चिड़िया...



आओ चिड़िया आओ चिड़िया, कमरे में आ जाओ चिड़िया। पुस्तक खुली पड़ी है मेरी, एक पाठ पढ़ जाओ चिड़िया। नहीं तुम्हें लिखना आता तो, तुमको अभी सिखा दूंगा मैं। अपने पापाजी से कहकर, कॉपी तुम्हें दिल दूंगा मैं। पेन रखे हैं पास हमारे, चिड़िया रानी बढ़िया-बढ़िया। आगे बढ़ती इस दुनिया में, पढ़ना-लिखना बहुत जरूरी। तुमने बिलकुल नहीं पढ़ा है, पता नहीं क्या है मजबूरी। आकर पढ़ लो साथ हमारे। बदलो थोड़ी-सी दिनचर्या। चिड़िया बोली बिना पढ़े ही, आसमान में उड़ लेती हूँ। चंदा की, तारों की भाषा, उन्हें देखकर पढ़ लेती हूँ। पढ़ लेती हूँ बिना पढ़े ही, जंगल-पर्वत-सागर-दरिया। धरती माँ ने बचपन से ही, मुझे प्राथमिक पाठ पढ़ाए। उड़ते-उड़ते आसमान से, स्वातक की डिग्री लाए। पढ़ लेती हूँ मन की भाषा, हिन्दी, उर्दू या हो उड़िया। तुम बस इतना करो, हमारे, लिए जरा पानी पिलवा दो। भाई-बहन हम सब भूखे हैं, थोड़े से दाने डलवा दो। हम भी कुछ दिन जी लें ढंग से अगर बदल दें लोग नजरिया।

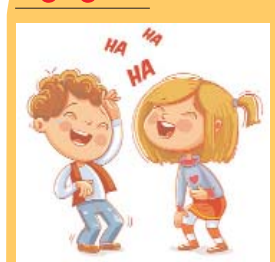
■ प्रभुदयाल श्रीवास्तव

## अनपढ़ बन्दर का ब्याह...

अनपढ़ बन्दर बोला-मम्मी मैं भी ब्याह कराऊंगा सुन्दर-सी इक प्यारी बन्दरिया मैं इस घर में लाऊंगा उसकी मम्मी बोली-बेटा सुन लो मेरी बात पढ़े नहीं गर दो अक्षर तो जाएगी नहीं बरत।

■ दीनदयाल शर्मा

● चुटकुला...



एक शराबी दारू पी पी कर मर गया, लेकिन उसकी दारू के प्रति श्रद्धा तो देखो वो मर के भी यह कह गया शराब तो ठीक थी! पर मेरा लिवर ही कमजोर निकला।

## मीठे फल



फल खाना स्वास्थ्य के लिए लाभदायक होता है। भारत समेत दुनियाभर में पाए जाने वाले फल सीजनल होते हैं। आसान भाषा में कहा जाए तो वो अलग-अलग सीजन में होते हैं। लेकिन क्या आपने कभी फल खाते हुए ये सोचा है कि अधिकांश फल मीठे क्यों होते हैं, वो नमकीन या किसी और स्वाद के क्यों नहीं होते हैं। आज हम आपको बताएंगे कि आखिर फल मीठे क्यों होते हैं और उसमें कौन सा रसायन पाया जाता है।

फल होते हैं मीठे-दुनियाभर में पाए जाने वाले अधिकांश फल मीठे ही होते हैं। अब सवाल ये है कि फल आम नमकीन क्यों नहीं होते हैं। जानकारी के मुताबिक फल में नमक की मात्रा पैदा करने वाले नेचुरल सिस्टम की कमी होती है। वहीं पौधे शुगर और एसिड को नेचर के जरिए अपने सिस्टम से प्रोसेस कर सकते हैं, लेकिन नमक यानी सोडियम क्लोराइड को नहीं कर सकते हैं। हालांकि मिट्टी से पौधों में कुछ नमक जरूर आता है, लेकिन बहुत सीमित मात्रा में होता है। वहीं अगर ये ज्यादा होगा तो इसका असर पौधे की ग्रोथ और बीज से पौधा बनने की प्रक्रिया पर भी पड़ेगा।

फल क्यों होते हैं मीठे और खट्टे-बता दें कि फलों में मौजूद फ्रक्टोज, सेल्यूलोज, विटामिन, स्टार्च, एसिड और प्रोटीन के कारण उनमें मिठास और खट्टपन की मात्रा अलग-अलग होती है। वहीं जिन फलों में शर्करा ज्यादा होती है, उनका स्वाद मीठा होता है, जिनमें अम्लों की मात्रा ज्यादा होती है, उनका स्वाद खट्टा होता है। जानकारी के मुताबिक कुछ फलों में नमक की थोड़ी मात्रा हो सकती है, लेकिन इसके बाद भी उनमें नमकीन स्वाद नहीं होता है। कई फल ऐसे भी होते हैं, जिसमें बहुत कम मात्रा में सोडियम होता है।

पकने के बाद मीठा होता फल -आपने देखा होगा कि आमतौर पर कच्चे फलों में अम्लों की मात्रा ज्यादा होती है। लेकिन पकने पर अम्लों की मात्रा कम हो जाती है। खनिजों की वजह से भी सभी के स्वाद और टैक्सचर में अंतर होता है। पौधों में मुख्य रूप से प्राकृतिक शर्करा (जैसे फ्रक्टोज) और अम्ल (जैसे साइट्रिक एसिड) मौजूद होते हैं। ये उसके स्वाद को निर्धारित करते हैं।

दुनिया का सबसे मीठा फल-दुनिया का सबसे मीठा फल कैराबाओ आम है, जो फिलीपींस में पैदा होने वाला आम है। इस आम की ज्यादा मिठास उनमें मौजूद फ्रक्टोज की काफी ज्यादा मात्रा के कारण होती है। भारत में होने वाले आम से ये ज्यादा मीठा होता है। वैसे अंगूर, चेरी, नाशपाती, तरबूज, अंजीर और केले भी काफी मीठे फल होते हैं।

● रोचक...

## मछली



मछली एक ऐसी जानवर है, जो लगभग सभी तरह के पानी में रह लेती है। इतना ही नहीं दुनियाभर में मछलियों की डिमांड भी खूब है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि दुनियाभर के किस समुद्र से सबसे अधिक मछलियों को निकाला जाता है। जानकारी के मुताबिक प्रशांत महासागर में सबसे अधिक मछलियां पकड़ी जाती हैं। साल 2022 में प्रशांत महासागर से करीब 4.7 मिलियन टन मछलियां पकड़ी गई थीं। वहीं प्रशांत महासागर में पकड़ी जाने वाली ज्यादातर मछलियां टूना या उससे जुड़ी प्रजातियां की होती हैं। दुनिया भर में समुद्री पकड़ का 70 प्रतिशत से ज्यादा हिस्सा प्रशांत महासागर से आता है। वहीं दुनिया में मछलियां पकड़ने वाले देशों में सबसे पहले चीन का नाम आता है। साल 2021 में चीन ने 13.4 मिलियन मीट्रिक टन मछलियां पकड़ी थीं। वहीं दूसरे नंबर पर इंडोनेशिया का नाम आता है। हालांकि जहां साल 2021 में चीन ने 13.4 मिलियन मीट्रिक टन मछलियां पकड़ी थीं, वहीं इंडोनेशिया ने इससे आधी मछलियां पकड़ी थी।

‘सरकार,’ एक तोंद निकले मोटे आदमी ने कहा ‘जबसे मैंने एक तरबूज के कुछ बीज निगले हैं तब से मेरे पेट में छोटे-छोटे तरबूज पैदा हो रहे हैं। जब कोई तरबूज पक जाता है तो वो फूट जाता है और उससे मुझे अपना भोजन मिल जाता है। अब मुझे और कुछ खाने की जरूरत ही नहीं पड़ती है।’

‘तुमने किसी ताकतवर तरबूज के बीज निगल लिए होंगे’ छोटे नवाब ने बिना पलकें झपके कहा। ‘सरकार, क्या मुझे भी बोलने की इजाजत है?’ शेख चिल्ली ने पूछा। ‘जरूर,’ छोटे नवाब ने ताना कसते हुए कहा। ‘तुमसे हम किन प्रतिभाशाली शब्दों की उम्मीद करें?’ ‘सरकार,’ शेख चिल्ली ने जोर से कहा ‘आप इस पूरे राज्य के सबसे बड़े बेवकूफ आदमी हैं! आपको नवाब के सिंहासन पर

## सबसे झूठा कौन?

गतांक से आगे...

क्यों

‘सरकार हर रात मैं चंद्रमा तक उड़ते हुए जाता हूँ और सुबह होने से पहले ही उड़कर वापिस आ जाता हूँ!’ एक अन्य झूठ बोलने वाले ने डींग हांकी। ‘हो सकता है’ छोटे नवाब ने कहा। ‘हो सकता है तुम्हारे पास कोई रहस्यमयी ताकत हो।’

‘सरकार,’ एक तोंद निकले मोटे आदमी ने कहा ‘जबसे मैंने एक तरबूज के कुछ बीज निगले हैं तब से मेरे पेट में छोटे-छोटे तरबूज पैदा हो रहे हैं। जब कोई तरबूज पक जाता है तो वो फूट जाता है

और उससे मुझे अपना भोजन मिल जाता है। अब मुझे और कुछ खाने की जरूरत ही नहीं पड़ती है।’

‘तुमने किसी ताकतवर तरबूज के बीज निगल लिए होंगे’ छोटे नवाब ने बिना पलकें झपके कहा।

‘सरकार, क्या मुझे भी बोलने की इजाजत है?’ शेख चिल्ली ने पूछा। ‘जरूर,’ छोटे नवाब ने ताना कसते हुए कहा। ‘तुमसे हम किन प्रतिभाशाली शब्दों की उम्मीद करें?’

‘सरकार,’ शेख चिल्ली ने जोर से कहा ‘आप इस पूरे राज्य के सबसे बड़े बेवकूफ आदमी हैं! आपको नवाब के सिंहासन पर

बैठने का कोई हक नहीं है।’

पूरी राजसभा में सन्नाटा छ गया। तब छोटे नवाब चिल्ली ‘पहरेदारो इस नाचीज को गिरफ्तार कर लो!’

शेख चिल्ली को पकड़ा गया और खींच कर लाया गया।

‘निकम्मे बेशरम!’ छोटे नवाब का गुस्सा उबल कर बाहर निकला, ‘तुम्हारी यह जुर्रत कैसे हुई! अगर तुमने इसी वक्त हमारे पैरों में गिरकर माफी नहीं मांगी तो तुम्हारा सिर धड़ से अलग कर दिया जाएगा!’

‘पर सरकार शेख चिल्ली ने विरोध जताते हुए कहा ‘आपने ही तो कहा था कि आप दुनिया का सबसे बड़ा झूठ सुनना चाहते हैं!’ फिर वो निष्कपट भाव से छोटे नवाब को देखने लगा। ‘जो कुछ मैंने कहा उससे बड़ा क्या और कोई झूठ हो सकता है?’

छोटे नवाब को समझ में नहीं

आया कि क्या करें! क्या

शेख चिल्ली अब झूठ

बोल रहा है या वो पहले

झूठ बोल रहा था? शेख

चिल्ली उतना बड़ा बेवकूफ नहीं था

जितना छोटे नवाब उसे समझते थे! छोटे नवाब धीमे से

हंसे और उन्होंने कहा ‘शाबाश! तुम ईनाम जीते!’

सब लोगों ने शेख चिल्ली की अकल को सराहा। वो शान से हजार सोने की मुहरें लेकर घर गया। छोटे नवाब चाहे थो? बेवकूफ हों परंतु वो हैं दिलदार शेख ने सोचा।

-समाप्त

● भारतीय कैदी...

भारत के पड़ोसी देश नेपाल में सबसे अधिक भारतीय कैदी बंद हैं। इन कैदियों में महिलाएं भी शामिल हैं। जानकारी के मुताबिक ये भारतीय अलग-अलग मामलों में बंद हैं। पिछले साल नेपाल जेल में 1,222 कैदी बंद थे, इसमें करीब 300 महिलाएं भी थी। बता दें कि इतने भारतीय कैदी दूसरे किसी देश में नहीं बंद हैं। नेपाल के सख्त नियमों के कारण यहां विदेशी नागरिकों को जल्दी नहीं छोड़ते हैं। यही कारण है कि यहां विदेशी नागरिकों को शायद ही कभी जमानत दी जाती है। यहां आम आरोपियों को भी लंबे समय तक हिरासत में रहते हैं।

